भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4650

उत्तर देने की तारीख 22 जुलाई, 2019

सोमवार, 31 आषाढ़, 1941 (शक)

उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण

4650. श्री धनुष एम. कुमारः

क्या कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार स्मार्ट उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अग्रणी योजना का कार्यान्वयन कर रही है;

(ख) क्या सरकार ने वे उद्देश्य प्राप्त कर लिए हैं जिसके लिए योजना आरंभ की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं;

(ग) यह योजना कितनी अवधि के लिए परिकल्पित की गई थी और योजना की अनुमानित लागत क्या है;

(घ) गत दो वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान कितने विद्यार्थियों को उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान किया गया है; और

(ङ) विशेषकर तमिलनाडु राज्य में उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर रहे संस्थानों के नाम और संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री आर. के. सिंह)

(क) से (ड.) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता नीति, 2015 के लक्ष्यों और उद्देश्यों को हांसिल करने के लिए अपनी महत्वकांक्षी स्कीम प्रधानमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियान (पीएम-युवा) को अप्रैल 2017 में आरंभ किया था। स्कीम का लक्ष्य देश भर के उच्चतर शिक्षण संस्थानों में उद्यमशीलता शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमशीलता विकास का सक्षम तंत्र सृजित करना है। पीएम-युवा स्कीम के प्रथम चरण में इस स्कीम को तमिलनाडु राज्य को 42 संस्थानों सहित स्कीम के तहत सूचीबद्ध 239 उच्च शिक्षण संस्थानों अर्थात विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पॉलिटेक्निकों में शुरू किया था। सूचीबद्ध संस्थानों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा निम्नलिखित है:

विवरण	**कुल**	**तमिलनाडु**
सूचीबद्ध कॉलेजों की संख्या	239	42
शिक्षण-वार प्लेटफार्म पर पंजीकृत कॉलेजों की संख्या	192	38
उद्यमशीलता जागरूकता सत्रों के दौरान उन्मुखी छात्रों की संख्या	23137	3000 (लगभग)
शिक्षण-वार प्लेटफार्म पर पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या	33325	7066
अंतिम आकलन में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	7392	1084

उपर्युक्त के अलावा, मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के माध्यम से चलाए जा रहे दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के रूप में विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रोजगारपरक कौशलों के एक भाग के तौर पर एकीकृत अनुकूलित उद्यमशीलता उन्मुखी मॉड्यूल है। पीएमकेवीवाई के अंतर्गत 15.06.2019 तक 12,11,463 कुशल युवाओं में से 2,01,143 युवाओं ने स्व-रोजगार उद्यमशीलता को अपनाया है।

****